DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

18 March, 2024

उल्लास - नव भारत साक्षरता कार्यक्रम

संदर्भ: *भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग (DoSEL) ने उल्लास (ULLAS) - नव भारत साक्षरता कार्यक्रम (न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम) के एक हिस्से के रूप में फाउंडेशनल साक्षरता और संख्यात्मक मूल्यांकन परीक्षण (FLNAT) पहल का आयोजन किया।।*

- FLNAT प्रत्येक भाग लेने वाले राज्य/केंद्रशासित प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित किया गया था, जिसमें जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (DIET) और सरकारी/सहायता प्राप्त स्कूल परीक्षण केंद्र के रूप में कार्यरत थे।
- इन मूल्यांकन परीक्षण में तीन विषय शामिल थे: पढ़ना, लिखना और संख्यात्मकता, प्रत्येक के लिए 50 अंक और कुल मिलाकर 150 अंक थे। इसका उद्देश्य पंजीकृत गैर-साक्षर शिक्षार्थियों की मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक कौशल का मूल्यांकन करना था।

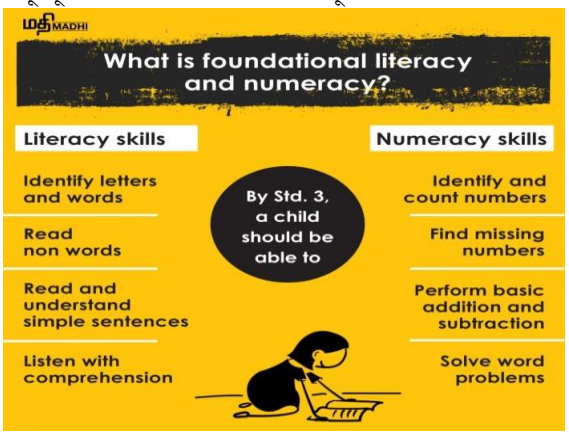

- वर्ष 2023 में मार्च और सितंबर में दो FLNAT आयोजित किए गए। 24 सितंबर, 2023 को आयोजित अंतिम FLNAT में 17,39,097 शिक्षार्थी उपस्थित हुए, जिनमें से 15,58,696 प्रमाणित हुए। अब तक कुल 36,00,870 शिक्षार्थियों को प्रमाणित किया गया है।
- बहुभाषावाद को बढ़ावा देने और शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा या स्थानीय भाषा का उपयोग करने पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप, यह परीक्षण शिक्षार्थियों की क्षेत्रीय भाषा में आयोजित किया गया था।
- चंडीगढ़, पुदुचेरी, लक्षद्वीप और गोवा सहित कुछ केंद्र शासित प्रदेशों ने इस बार FLNAT के माध्यम से अपने अपने राज्यों के लिए 100 प्रतिशत साक्षरता घोषित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।
- क्षेत्रीय भाषाओं में परीक्षा आयोजित करने का उद्देश्य भाषाई विविधता को बढ़ावा देना और संरक्षित करना है।
- उल्लास - नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में आयोजित शिक्षा-शिक्षण सत्रों के प्रभाव का आकलन करने के प्रयास में यह परीक्षण एक अनिवार्य चरण था।
- इस दौरान योग्य शिक्षार्थियों को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) द्वारा जारी एक प्रमाण पत्र भी दिया गया, जो मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक कौशल प्राप्त करने में उनकी उपलब्धि को मान्यता देता है।
- 17 मार्च, 2024 को आयोजित FLNAT ने विकसित भारत और जन जन साक्षर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में सरकार के एक और महत्वपूर्ण प्रयास का प्रतिनिधित्व किया।

उल्लास

➢ **योजना अवलोकन:**

- भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, वित्त वर्ष 2022-2027 के लिए "नव भारत साक्षरता कार्यक्रम" को मंजूरी दे दी है।
- इस योजना का लक्ष्य मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता, उन्नत जीवन कौशल, व्यावसायिक कौशल विकास, बुनियादी शिक्षा और सतत शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए सभी के लिए शिक्षा के सभी पहलुओं को कवर करना है।

➢ **कार्यान्वयन दृष्टिकोण:**

- इस प्रशिक्षण सत्रों के साथ स्वयंसेवा और ऑनलाइन मोड के माध्यम से कार्यान्वित किया गया।
- सुगम पहुंच के लिए शिक्षा-शिक्षण सामग्री और संसाधन डिजिटल रूप से उपलब्ध कराए गए।
- कार्यक्रम के कवरेज में सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के गैर-साक्षर शामिल हैं।

➢ **लक्ष्य और वित्तीय परिव्यय:**

- वित्तीय वर्ष 2022-2027 में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता के लिए 5 करोड़ शिक्षार्थियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- इस कार्यक्रम के लिए 1037.90 करोड़ रुपये का वित्तीय परिव्यय, जिसमें 700 करोड़ रुपये केंद्रांश और 337.90 करोड़ रुपये राज्यांश शामिल है; का प्रावधान किया गया है।

➢ **मुख्य विशेषताएं:**

- नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत स्कूल, कार्यान्वयन के लिए इकाई के रूप में कार्य करते हैं।
- नवीन गतिविधियों के लिए लचीलेपन के साथ विभिन्न आयु समूहों के लिए रणनीतियाँ तैयार की गई।
- व्यापक कवरेज के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है।
- प्रगति की निगरानी के लिए प्रदर्शन ग्रेडिंग सूचकांक तैयार के8या जा रहा है।
- विशिष्ट श्रेणियों और क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई।
- प्रभावी कार्यान्वयन के लिए अन्य मंत्रालयों/विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया गया।

➢ **जनांदोलन - आजादी का अमृत महोत्सव:**

- छात्रों, शिक्षकों, स्वयंसेवकों, समुदाय और विभिन्न संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित करने प्रयास किया गया।
- जन-जागरूकता और प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न मीडिया प्लेटफार्मों का उपयोग किया जा रहा है।
- स्थानीय स्कूलों में साक्षरता का वैज्ञानिक मूल्यांकन किया गया।
- सीखने के परिणामों और परिणाम-आउटपुट निगरानी ढांचे का वार्षिक उपलब्धि सर्वेक्षण किया गया।

आदर्श आचार संहिता

संदर्भ: *भारत के चुनाव आयोग (ECI) ने घोषणा की, कि लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में होंगे, जिसके परिणाम 4 जून को घोषित किए जाएंगे, जिससे आदर्श आचार संहिता (MCC) लागू हो जाएगी।*

➢ **आदर्श आचार संहिता के उद्देश्य:**

- एमसीसी चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए मानदंडों और सिद्धांतों के एक समूह के रूप में कार्य करता है, इसके सिद्धांतों का पालन सुनिश्चित करता है और निष्पक्ष आचरण को बढ़ावा देता है।
- यह चुनावी उद्देश्यों के लिए आधिकारिक मशीनरी के दुरुपयोग को रोकता है और इसका उद्देश्य चुनावी अपराधों, कदाचार और भ्रष्ट आचरण पर अंकुश लगाना है।
- चुनाव आयोग द्वारा लागू, एमसीसी चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से लेकर चुनावी प्रक्रिया के पूरा होने तक लागू रहता है, जिससे सभी स्तरों - राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय पर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित होते हैं।

➢ **आदर्श आचार संहिता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**

- भारत के चुनावी इतिहास में एमसीसी की उत्पत्ति केरल में 1960 के विधानसभा चुनावों के दौरान तैयार की गई 'आचार संहिता' से हुई।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- प्रारंभ में 1962 के लोकसभा चुनावों में चुनाव आयोग द्वारा प्रसारित किया गया था, चुनावी कदाचार के मुद्दों को संबोधित करने के लिए इसे समय के साथ परिष्कृत किया गया था।
- एमसीसी को 1991 के बाद प्रमुखता मिली जब चुनाव आयोग ने इसे और अधिक सख्ती से लागू करना शुरू किया, जिसमें 2013 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार चुनाव घोषणापत्र पर दिशानिर्देश भी शामिल थे।

आदर्श आचार संहिता के तहत प्रावधान

➢ **निषेध:**

- राजनीतिक दलों की आलोचना उनकी नीतियों, कार्यक्रमों, पिछले रिकॉर्ड और काम तक ही सीमित होनी चाहिए।
- वोट सुरक्षित करने के लिए जाति और सांप्रदायिक भावनाओं का उपयोग करना, असत्यापित रिपोर्टों के आधार पर उम्मीदवारों की आलोचना करना, मतदाताओं को रिश्वत देना या डराना आदि जैसी गतिविधियाँ निषिद्ध हैं।

➢ **बैठक/सूचना:**

- पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पार्टियों को किसी भी बैठक के स्थान और समय के बारे में स्थानीय पुलिस अधिकारियों को पहले से सूचित करना होगा।

➢ **जुलूस/रैली:**

- यदि कई उम्मीदवार एक ही मार्ग पर जुलूस की योजना बनाते हैं, तो पार्टियों को यह सुनिश्चित करने के लिए पहले से संपर्क स्थापित करना होगा कि कोई झड़प न हो।
- अन्य राजनीतिक दलों के सदस्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले पुतले ले जाने और जलाने की अनुमति नहीं है।

➢ **मतदान के दिन:**

- केवल मतदाताओं और चुनाव आयोग से वैध पास वाले लोगों को ही मतदान केंद्रों में प्रवेश की अनुमति है।
- मतदान केंद्रों पर अधिकृत पार्टी कार्यकर्ताओं को उपयुक्त बैज या पहचान पत्र प्रदान किए जाने चाहिए।
- अधिकृत पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा मतदाताओं को दी जाने वाली पहचान पर्चियां सादे (सफेद) कागज पर बिना किसी प्रतीक, उम्मीदवार के नाम या पार्टी के नाम के होनी चाहिए।

➢ **पर्यवेक्षक:**

- चुनाव आयोग पर्यवेक्षकों की नियुक्ति करेगा जिनसे उम्मीदवार चुनाव संचालन के संबंध में समस्याओं की रिपोर्ट कर सकते हैं।

➢ **सत्ता में पार्टी:**

- सत्ता में पार्टी के आचरण को विनियमित करने के लिए 1979 में प्रतिबंध शामिल किए गए थे।
- मंत्रियों को आधिकारिक दौरों को चुनाव कार्य के साथ नहीं जोड़ना चाहिए या इसके लिए आधिकारिक मशीनरी का उपयोग नहीं करना चाहिए।
- चुनाव की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकारी खजाने की कीमत पर विज्ञापन देने या प्रचार के लिए आधिकारिक जन मीडिया का उपयोग करने से बचें।
- चुनाव की घोषणा होने के बाद मंत्रियों और अधिकारियों को वित्तीय अनुदान या बुनियादी ढांचे के विकास के वादों की घोषणा करने से बचना चाहिए।

चुनाव घोषणापत्र:

➢ **चुनाव घोषणापत्र को ईसीआई द्वारा उल्लिखित दिशानिर्देशों का पालन करना चाहिए:**

- संविधान के आदर्शों और सिद्धांतों के खिलाफ कुछ भी नहीं होना चाहिए।
- ऐसे वादों से बचें जो मतदाताओं को अनुचित रूप से प्रभावित कर सकते हैं या चुनाव प्रक्रिया की अखंडता से समझौता कर सकते हैं।
- वादों के औचित्य को प्रतिबिंबित करें और वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के तरीकों का संकेत दें।
- लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के अनुसार निषेधाज्ञा अवधि के दौरान रिहा नहीं किया जाना चाहिए।

➢ **एमसीसी में हालिया परिवर्धन:**

- ईसीआई द्वारा अधिसूचित अवधि के दौरान ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल का विनियमन।
- मतदान के दिन और एक दिन पहले प्रिंट मीडिया में विज्ञापनों पर प्रतिबंध, जब तक कि स्क्रीनिंग समितियों द्वारा पूर्व-प्रमाणित न किया गया हो।
- चुनाव अवधि के दौरान राजनीतिक पदाधिकारियों वाले सरकारी विज्ञापनों पर प्रतिबंध।

➢ **आदर्श आचार संहिता की प्रवर्तनीयता**

- वैधानिक समर्थन की कमी के बावजूद, चुनाव आयोग (EC) द्वारा सख्ती से लागू किए जाने के कारण पिछले एक दशक में आदर्श आचार संहिता (MCC) का महत्व बढ़ गया है।
- एमसीसी के कुछ पहलुओं को भारतीय दंड संहिता (IPC) 1860, आपराधिक प्रक्रिया संहिता (CRPC) 1973 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम (RPA) 1951 जैसे अन्य कानूनों में संबंधित प्रावधानों का उपयोग करके लागू किया जा सकता है।
- 2013 में, कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर स्थायी समिति ने एमसीसी को कानूनी रूप से बाध्यकारी बनाने के लिए आरपीए 1951 में शामिल करने की सिफारिश की।
- चुनाव आयोग लगभग 45 दिनों की अपेक्षाकृत कम समय सीमा के भीतर चुनाव पूरा करने की आवश्यकता का हवाला देते हुए एमसीसी को कानूनी रूप से बाध्यकारी बनाने के विचार का विरोध करता है, क्योंकि न्यायिक कार्यवाही में आमतौर पर अधिक समय लगता है, जिससे इसे कानून द्वारा लागू करना अव्यवहारिक हो जाता है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

18 March, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

संगीता कलानिधि पुरस्कार

कर्नाटक गायक और मैग्सेसे पुरस्कार विजेता टी.एम. कृष्णा को हाल ही में 2024 के संगीत अकादमी के संगीत कलानिधि पुरस्कार के लिए चुना गया है।

संगीता कलानिधि पुरस्कार:

- संगीत कलानिधि मद्रास संगीत अकादमी द्वारा कर्नाटक संगीतकार को दिया जाने वाला एक पुरस्कार है और इसे कर्नाटक संगीत के क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मान माना जाता है।
- पुरस्कार में एक स्वर्ण पदक और एक बिरुदु पत्र (उद्धरण) शामिल है।
- यह 1942 से अस्तित्व में है और शीर्षक का अनुवाद "संगीत, कला, खजाना या महासागर" है।
- संगीता कलानिधि को कर्नाटक संगीत के लिए ऑस्कर के समकक्ष माना जाता है।
- यह ललित कला के इतिहास में एक ऐतिहासिक संस्थान है और दिसंबर 1927 में मद्रास में आयोजित अखिल भारतीय कांग्रेस सत्र की एक शाखा के रूप में उभरा।

कर्नाटक संगीत:

- कर्नाटक संगीत दक्षिण भारत का एक विशेष प्रकार का संगीत है जिसमें आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्य शामिल हैं।
- यह संगीत परंपरा पड़ोसी देश श्रीलंका तक भी अपना प्रभाव फैलाती है।
- कर्नाटक संगीत में, सुंदर धुनें और लयबद्ध पैटर्न हैं, कलाकार प्रायः मौके पर ही संगीत बनाते हैं, रागों नामक तराजू और ताल के रूप में जाने जाने वाले लयबद्ध चक्रों का उपयोग करते हुए।
- कर्नाटक संगीत की उत्पत्ति दक्षिण भारत में प्राचीन हिंदू परंपराओं से हुई, जो हिंदुस्तानी संगीत के समान है, जो उत्तर में फारस और इस्लाम के प्रभाव से विकसित हुआ।

यूरोपीय संघ

यूरोपीय संघ प्रमुख और पांच यूरोपीय नेताओं ने आर्थिक चुनौतियों और प्रवासन मुद्दों के समाधान के उद्देश्य से €7.4 बिलियन के वित्तीय पैकेज की घोषणा करने के लिए मिस्र का दौरा किया।

यूरोपीय संघ के बारे में:

- यूरोपीय संघ (ईयू) 27 यूरोपीय देशों का एक राजनीतिक और आर्थिक संघ है।
- 19 यूरोपीय संघ के सदस्य देश यूरो (€) को अपनी आधिकारिक मुद्रा के रूप में उपयोग करते हैं, जबकि 8 देश यूरो का उपयोग नहीं करते हैं।
- यह सामान्य विदेश और सुरक्षा नीति के माध्यम से बाहरी संबंधों और रक्षा में भूमिका निभाता है।
- यह दुनिया भर में राजनयिक मिशनों का संचालन करता है और संयुक्त राष्ट्र, डब्ल्यूटीओ, जी7 और जी20 जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में भाग लेता है।
- यूरोपीय संघ को आधिकारिक तौर पर 1993 में मास्ट्रिच संधि के साथ स्थापित किया गया था, जिसने 2009 में लिस्बन की संधि के साथ पूर्ण कानूनी अस्तित्व प्राप्त किया।
- यूरोपीय संघ का गठन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भविष्य में होने वाले संघर्षों को रोकने के लिए यूरोप में शांति और एकता को बढ़ावा देने के लिए किया गया था।
- यूरोप में शांति, सुलह, लोकतंत्र और मानवाधिकारों में योगदान के लिए यूरोपीय संघ को 2012 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अफीम पोस्ता

हाल ही में, बाघों और प्रचुर वन्यजीवों की मौजूदगी के कारण एक संरक्षित क्षेत्र होने के बावजूद, सिमलीपाल बाघ अभयारण्य मादक पदार्थ तस्करों का गढ़ बन गया है जिन्होंने क्षेत्र में अफीम की खेती शुरू कर दी है।

अफीम की खेती के बारे में:

- अफीम का पौधा, जिसे पापावर सोम्निफेरम या ब्रेडसीड पोस्ता के नाम से भी जाना जाता है, एक फूल वाला पौधा है जो अफीम और खसखस दोनों का उत्पादन करता है।
- माना जाता है कि इसकी उत्पत्ति भूमध्यसागरीय क्षेत्र में हुई थी।
- भारत, अफगानिस्तान, म्यांमार और तुर्की जैसे देशों में इसकी व्यापक खेती की जाती है।
- यह प्रायः लगभग 1 से 1.5 मीटर ऊंचाई तक बढ़ता है।
- पौधे में नीले-हरे पत्ते और बड़े, फूल होते हैं जिनकी पंखुड़ियां सफेद से लेकर गुलाबी, लाल या बैंगनी रंग की होती हैं।
- इसकी खेती मुख्य रूप से अफीम के उत्पादन के लिए की जाती है जो इसके कच्चे बीज की फली के लेटेक्स से प्राप्त एक मादक पदार्थ है।
- अफीम में विभिन्न अल्कलॉइड होते हैं, जिनमें मॉर्फिन, कोडीन और थेबाइन शामिल हैं।
- इसका उपयोग दर्द निवारक, खांसी रोधी और दस्त के उपचार के लिए किया जाता रहा है।

सिमलीपाल बाघ अभयारण्य:

- सिमलीपाल राष्ट्रीय उद्यान ओडिशा के मयूरभंज जिले में स्थित एक बाघ अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान है।
- यह सिमलीपाल-कुल्दीहा-हदगढ़ हाथी अभयारण्य का हिस्सा है।
- यह ऊंचे पठारों और पहाड़ियों से घिरा हुआ है, सबसे ऊंची चोटी खैरीबुरु और मेघाशनी की जुड़वा चोटियाँ हैं।
- इसे वर्ष 1956 में ' बाघ अभयारण्य' घोषित किया गया था और 1973 में इसे 'प्रोजेक्ट टाइगर' के अंतर्गत लाया गया था।
- **वनस्पति:** सिमलीपाल में 1078 पौधों की प्रजातियाँ हैं, जिनमें 94 प्रकार के ऑर्किड शामिल हैं, साल के पेड़ सबसे आम हैं।
- **जीव:** इस क्षेत्र के जानवरों में शामिल हैं तेंदुए, गौर, हाथी, लंगूर, हिरण, भालू, नेवले, उड़ने वाली गिलहरी, साही, कछुए, मॉनिटर छिपकली, अजगर, सांबर हिरण, पैंगोलिन आदि।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

थेंमाला कुल्लन: केरल की अनूठी बौनी गाय

हाल ही में, केरल के पशुपालन विभाग ने स्थानीय रूप से थेंमाला कुल्लन के नाम से जानी जाने वाली बौनी गाय के संरक्षण और इसे एक अनूठी देशी नस्ल के रूप में पंजीकृत करने के लिए अध्ययन शुरू करने का फैसला किया है।

थेंमाला कुल्लन के बारे में:

- थेंमाला कुल्लन, भारत के केरल की एक स्थानीय रूप से पाई जाने वाली बौनी गाय की नस्ल है।
- थेंमाला कुल्लन की उल्लेखनीय विशेषताओं में एक छोटा कूबड़ और अनोखे शारीरिक लक्षण शामिल हैं।
- ये गायें जंगल-आधारित चारे पर पलती हैं, जो स्थानीय पारिस्थितिक परिस्थितियों के अनुकूलन का संकेत देती हैं।
- अरिप्पा और थेंमाला के आदिवासी लोग परंपरागत रूप से इन गायों को पालते आए हैं, जिससे पीढ़ियों से उनके अद्वितीय आनुवंशिक लक्षणों का संरक्षण होता रहा है।
- हालांकि वे पोषक तत्वों से भरपूर A2 दूध देती हैं, लेकिन मात्रा सीमित होती है, जो उन्हें मुख्य रूप से बछड़े पालने और खाद उत्पादन के लिए मूल्यवान बनाती है।
- केरल पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (केवीएएसयू) द्वारा किए गए अध्ययनों में देशी नस्ल का दर्जा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक फेनोटाइपिक और जीनोटाइपिक लक्षण वर्णन शामिल है।

सुर्खियों में स्थल

नाइजर

हाल ही में, नाइजर के सत्तारूढ़ जुंटा ने उस समझौते को समाप्त कर दिया, जिसने संयुक्त राज्य अमेरिका को देश में ड्रोन बेस चलाने की अनुमति दी थी।

नाइजर: (राजधानी: नियामी)

अवस्थिति : नाइजर, जिसे आधिकारिक तौर पर नाइजर गणराज्य के रूप में जाना जाता है, पश्चिम अफ्रीका में एक भूमि से घिरा देश है।

राजनीतिक सीमाएँ: नाइजर अपनी सीमाएँ चाड (पूर्व), माली (पश्चिम), लीबिया (उत्तरपूर्व), अल्जीरिया (उत्तरपश्चिम), नाइजीरिया (दक्षिण) और बेनिन और बुर्किना फासो (दक्षिणपश्चिम) के साथ साझा करता है।

भौतिक विशेषताएं:

- नाइजर नदी, अफ्रीका की सबसे लंबी नदियों में से एक, नाइजर से होकर बहती है।
- नाइजर का सबसे ऊंचा स्थान मॉन्ट इडौकल-एन-टैगेस है, जिसे माउंट बागज़ेन के नाम से भी जाना जाता है, जो उत्तरी नाइजर में एयर माउंटेन (जिसे एयर मासिफ के नाम से भी जाना जाता है) में स्थित है।
- नाइजर के खनिज संसाधनों में यूरेनियम, सोना, कोयला, तेल आदि शामिल हैं।
- नाइजर मुख्यतः शुष्क जलवायु का अनुभव करता है।

POINTS TO PONDER

- भारत की पहली ऑयल पाम प्रोसेसिंग मिल का उद्घाटन किस योजना के तहत किया गया? – **खाद्य तेल-ऑयल पाम पर राष्ट्रीय मिशन (एनएमईओ-ओपी)**
- हाल ही में किस सरकारी निकाय ने शिप्रा नदी के क्षरण पर प्रदर्शन ऑडिट किया है? – **भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG)**
- हाल ही में किस नियामक प्राधिकरण ने वैकल्पिक आधार पर T+0 निपटान के बीटा संस्करण को लॉन्च करने की स्वीकृति प्रदान की है? – **भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी)**
- किस विभाग ने जनसमर्थ पोर्टल के साथ किसान क्रेडिट कार्ड मत्स्य पालन योजना के एकीकरण का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया? – **मत्स्य पालन विभाग**
- नासा ने हाल ही वोयाजर 1 के संचार टूटने की समस्या का समाधान किया। वोयाजर 1 ने किस सीमा को पार किया, जो उसकी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ? – **इंटरस्टेलर स्पेस** (2012)